

94336

B. A. (Pass Course) 5th Semester Examination,

December-2022

SANSKRIT (Elective)

(For Fresh Students w.e.f. 2014-15)

Time allowed : 3 hours]

[Maximum marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए - $8 \times 2 = 16$

(i) रविवासरे कः दिनांकः ?

(ii) भवतः जन्म दिनांकः कः ?

(iii) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के लेखक कौन हैं ?

(iv) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के तृतीय अंक में कितने श्लोक हैं ?

(v) ऋग्वेद में कितने सूक्त हैं ?

(vi) तैत्तिरीय ब्राह्मण का सम्बन्ध किस वेद से है ?

(vii) 'अजाद्यतष्टाप्' सूत्र का क्या अर्थ है ?

(viii) 'युवतिः' पद में प्रकृति-प्रत्यय प्रदर्शित कीजिए।

2. किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए - $8 \times 2 = 16$

(i) कः समयः ?

(ii) किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?

94335-P-3-Q-5 (22)

[P.T.O.]

- (iii) इदानीं भवतः समयावकाशः अस्ति किम् ?
- (iv) सोमवासरे कः दिनांकः ?
- (v) पंचदशदिनांके कः वासरः ?
- (vi) भवतां विद्यालयः कदा आरब्धः ?
- (vii) राजु महोदयस्य गृहं किम् ?
- (viii) कः सम्भाणं करोति ?
- (ix) कः दूरभाषां कृतवान् इति वदामि ?
- (x) गृहे मिलेत् किम् ?
- (xi) भवतः प्रदेशे वर्षा कथम् ?
- (xii) किम् अद्य वर्षा भवेत् ?

3. (क) किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

2×5=10

(i) कृष्णसारे ददच्चक्षुस्त्वयि चाधिज्यकार्मुके ।

मृगानुसारिणं साक्षात् पश्यामीव पिनाकिनम् ॥

(ii) न नमयितुमधिज्यमस्मि शक्तो धनुरिदमाहितरथं प्रकं
मृगेषु ।

सहवसतिमुपेत्य यैः प्रियायाः कृत इव मुग्धविलोकितो-
पदेशः ॥

(iii) का कथा बाणसंधाने ज्याशब्देनैव दूरतः ।

हुंकारेणैव धनुषः स हि विघ्नानपोहति ॥

(iv) अमी वेदिं परितः क्लृप्तधिष्ण्याः समिद्वन्तः
प्रान्तसंस्तीर्णदर्भाः।

अपघ्नन्तो दुरितं हव्यगन्धैवैतानास्त्वां वह्नयः
पावयन्तु ॥

(ख) अभिज्ञान-शाकुन्तलम् के प्रथम अथवा चतुर्थ अंक का
सार लिखिए। 6

4. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए - $4 \times 4 = 16$
यजुर्वेद, सामवेद, कल्प, निरुक्त, ज्योतिष, शिक्षा, कौषीतकि-
ब्राह्मण, मुण्डकोपनिषद्।

5. (क) किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए - $2 \times 4 = 8$
(i) उगितश्च।
(ii) द्विगोः।
(iii) वोतो गुणवचनात्।
(iv) क्रीतात् करणपूर्वात्।

(ख) किन्हीं चार पदों में प्रकृति-प्रत्यय प्रदर्शित कीजिए -
 $4 \times 2 = 8$

अजा, गार्गी, गौरी, कुमारी, गोपी, इन्द्राणी, मातुलानी,
श्वश्रूः।